- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 सड़क दुर्घटना में तीन युवक की मौत दो घायल को किया गया पटना रेफर

04 महात्मा गांधी केंद्रीय विवि के कुलपति को मिला लोकनायक जयप्रकाश सम्मान

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, शुक्रवार, 22 दिसम्बर 2023 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 309

सीआईएसएफ संभालेगी संसद परिसर की सुरक्षा

नई दिल्ली। संसद की सुरक्षा का जिम्मा केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को मिलने जा रहा है। इस संबंध में सीआईएसएफ को नियमित नियुक्ति से पहले संसद परिसर का सर्वे करने को कहा गया है। उल्लेखनीय है कि 13 दिसंबर को लोकसभा में दो युवकों ने दर्शक दीर्घा से छलांग लगाकर सदन में हंगामा किया था।

इसके बाद से संसद की सुरक्षा को लेकर विपक्ष लगातार केंद्र सरकार को निशाना बना रहा है। वर्तमान में संसद परिसर की सुरक्षा का जिम्मा दिल्ली पुलिस संभाल रही है।

गृह मंत्रालय ने पत्राचार में नियमित नियुक्ति के लिए सीआईएसएफ की सुरक्षा और फायर विंग को संसद परिसर का सर्वे करने के लिए कहा है।

बगैर चर्चा व बहस विधेयकों का पास होना चिंताजनक

मल्लिकार्जुन खड़गे बोले, मनमाने ढंग से बिल पास कराना लोकतंत्र का गला घोंटने के समान

बीएनएम@नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार बिना चर्चा कराए अहम विधेयकों को पास करवा रही है। यह देश के लिए चिंता की बात है। कांग्रेस और आईएनडीआईए के घटक दल सरकार के इस रवैये का विरोध भी कर रहे हैं।

खड़गे ने गुरुवार को कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक के दौरान कहा कि बिना चर्चा और बहस के अहम विधेयकों को मनमाने ढंग से पास कराने के लिए लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा है । संसद को सत्ता पक्ष के प्लेटफार्म के रूप में बदलने का षड्यंत्र चल रहा है। मौजूदा संसद सत्र में अब तक दोनों

सदनों से हमारे आईएनडीआईए गठबंधन के 143 सांसदों का जिस तरह निलंबन किया गया है, वो दुर्भाग्यपूर्ण है।

खड़गे ने कहा कि लोकसभा चुनाव हमारे सामने है। हमें हर मोर्चे पर तैयार रहना होगा। इस दिशा में पार्टी ने कई कदम उठाए हैं। हमें समान विचारों वाले साथियों से समन्वय बनाते हुए अधिक से अधिक सीटों पर जीत हासिल करनी है। हमने पांच सदस्यों वाली एक नेशनल अलायंस कमेटी गठित की है। जो अन्य दलों के साथ गठबंधन की रूप-रेखा तय करेगी। लोक सभा की तैयारियों के मद्देनज़र लगभग 24 राज्यों के साथ समीक्षा बैठक हो चुकी है। हम लोक सभा सीटों पर जल्द ही कोऑर्डिनेटर भी नियुक्त करेंगे।

खड़गे ने कहा कि कांग्रेस के 138वें स्थापना दिवस पर 28 दिसंबर को नागपुर में हम विशाल रैली करने जा रहे हैं। वहां से एक नया संदेश जाएगा, रैली ऐतिहासिक होगी, मैं ऐसी कामना करता हूं।

खड़गे ने कहा कि वह प्रस्ताव रखते हैं कि राहुल गांधी पूर्व से पश्चिम की ओर दूसरे चरण की 'भारत जोड़ो यात्रा' निकालें, क्योंकि पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता लंबे समय से यह मांग कर रहे हैं।

तमिलनाडु में होने वाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स का प्रतीक चिह्न व शुभंकर जारी करेंगे अनुराग ठाकुर

बीएनएम@नई दिल्ली

तमिलनाडु में होने वाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स के लिए आधिकारिक प्रतीक चिह्न और शुभंकर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर जारी करेंगे।

वह शुक्रवार को तमिलनाडु में होने वाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स के लिए आधिकारिक प्रतीक चिह्न, जर्सी, शुभंकर, मशाल और शीर्षक गीत के शुभारंभ के अवसर पर मुख्य अतिथि होंगे।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स का छठा संस्करण 19 से 31 जनवरी, 2024 तक आयोजित किए जाएंगे। युवा खेलों के पिछले 5 संस्करण दिल्ली, पुणे, गुवाहाटी, पंचकुला और भोपाल में आयोजित किए गए। आगामी संस्करण तमिलनाडु के चार शहरों - चेन्नई, त्रिची, मदुरै और कोयंबटूर में होगा।

शुक्रवार को आयोजित होने वाले इस समारोह में तमिलनाडु सरकार के युवा कल्याण और खेल विकास मंत्री उदयनिधि स्टालिन सहित केंद्रीय खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण और राज्य सरकार के अन्य गण्यमान्य व्यक्ति भी सम्मिलित होंगे।

अन्य सम्मानित हस्तियों के अलावा शतरंज ग्रैंड मास्टर विश्वनाथन आनंद, टोक्यो ओलंपियन में भाग लेने वाली तलवारबाज भवानी देवी, बैडमिंटन स्टार जोशना चिनप्पा और एशिया कप हॉकी में कांस्य पदक विजेता टीम के सदस्य एस मरीस्वरन जैसी प्रसिद्ध खेल प्रतिभाएं भी इस विशिष्ट अवसर पर उपस्थिति होंगी।

पुंछ में भारतीय सेना की दो गाड़ियों पर आतंकी हमला, तीन जवान घायल

सैनिकों की जवाबी कार्रवाई के बाद आतंकियों से मुठभेड़ शुरू

नई दिल्ली। जम्मू के पुंछ इलाके में गुरुवार को आतंकवादियों ने भारतीय सेना की दो गाड़ियों पर घात लगाकर हमला किया है, जिसमें तीन जवान घायल हुए हैं। इसके बाद सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई की, जिस पर आतंकियों से मुठभेड़ शुरू हो गई है।

दरअसल, पुंछ पुलिस और भारतीय सेना ने बुधवार रात एक खुफिया इनपुट साझा किया था, जिसके बाद 20 दिसंबर की रात से सामान्य क्षेत्र डेरा की गली (डीकेजी), थानामंडी, राजौरी में एक ऑपरेशन चलाया

जा रहा था। इसी दौरान जम्मू के पुंछ में बफलियाज और थानामंडी रोड के बीच आतंकियों ने भारतीय सेना की दो गाड़ियों पर घात लगाकर हमला किया है, जिसमें सेना के तीन जवानों के घायल होने की खबर है।

सेना ने इस आतंकी हमले की पुष्टि करते हुए एक बयान में बताया है कि कल देर रात शुरू हुए ऑपरेशन के बाद आज कुछ घंटे पहले आतंकियों से संपर्क स्थापित हो गया। गुरुवार को लगभग 03:45 बजे सेना के दो वाहन सैनिकों को लेकर ऑपरेशनल साइट की ओर बढ़ रहे थे, जिन पर आतंकवादी ने गोलीबारी की। इसके बाद भारतीय सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई की और इसी के बाद मुठभेड़ शुरू हो गई है। इस चल रहे ऑपरेशन में तीन सैनिक गंभीर रूप से हताहत हुए हैं। फिलहाल ऑपरेशन जारी है और आगे की जानकारी का पता लगाया जा रहा है।

सुविधा वीआईपी कोटा खत्म और मुस्लिम महिलाओं के बिना मेहरम के हज पर जाने का अवसर

मोदी ने हज यात्रा को बनाया पारदर्शी: अफाकी

नई दिल्ली। हज कमेटी ऑफ इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी लियाकत अली अफाकी ने हिन्दुस्थान समाचार से विशेष बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबसे लोकप्रिय नारे सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का प्रभाव है कि हज यात्रा के मामले में भी पारदर्शिता दिखाई दे रही है। प्रधानमंत्री ने महिलाओं के अधिकारों को सुदृढ़ करते हुए मुस्लिम महिलाओं को लकी ड्रॉ के बगैर बिना मेहरम हज यात्रा पर जाने का अवसर प्रदान किया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने मानवता की ऊंची मिसाल पेश करते हुए दिव्यांगजनों को एक सहायक के साथ हज यात्रा पर जाने की भी इच्छा व्यक्त की है। महिला एवं बाल विकास और अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री स्मृति ईरानी ने भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सभी भारतीय एक समान' मिशन को आगे बढ़ते हुए अभी वीआईपी हज कोटे को समाप्त कर उसे आम लोगों के नाम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अफाकी ने बताया कि 'हज 2024' में भारत सरकार द्वारा हज यात्रियों को दिए जाने वाली मुख्य सुविधाओं में से हज कोटा और वीआईपी कोटा जैसी तमाम सुविधाओं को समाप्त कर आम हज यात्रियों के लिए आरक्षित किया गया है। सभी यात्रियों को निशुल्क ऑनलाइन हज यात्रा के लिए आवेदन फॉर्म भरने की सुविधा दी गई है। यात्रियों को अपने निवास स्थान से करीब दो इंबारकेशन प्वाइंट (यात्रा प्रारंभ करने का स्थान) चुनने का अधिकार दिया गया है।

इसके साथ ही इंबारकेशन प्वाइंट की संख्या बढ़ाकर 20 की गई है। 45 वर्ष से अधिक आयु की महिला अकेले बिना मेहरम हज यात्रा के लिए आवेदन कर सकती हैं। 70 वर्ष या उससे अधिक आयु वाले बुजुर्ग व बिना मेहरम महिला आवेदनकर्ता की स्वीकृति सुनिश्चित की गई है और उनकी सीट की बिना लॉटरी के आरक्षित करने की व्यवस्था की गई है।

उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय हज यात्रियों की स्वास्थ्य की देखरेख सीधे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के देख-रेख में की जाएगी। दवाओं और टीकों की व्यवस्था समय पर करने के साथ बेहतर इलाज आदि की व्यवस्था की गई है। 2024 की हज यात्रा में भारतीय हज यात्रियों को सऊदी अरब में भारत सरकार के जरिए बेहतर से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। हज यात्रा 2024 को सुविधाजनक और सुरक्षित बनाने के लिए भी हर संभव प्रयास किया जा रहा है। हज गाइड हिंदी, उर्दू, अंग्रेजी के साथ-साथ आठ अन्य भारतीय भाषाओं में प्रकाशित किए जाने की व्यवस्था की गई है।

पीएम ने किया देश का पुनर्जागरण : शेखावत

नई दिल्ली। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि 16 मई, 2014 से पहले भारत में राजनीतिक व्यवस्था किसी न किसी रूप में ब्रिटिश उपनिवेशवाद का प्रतीक बनी हुई थी लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय संस्कृति का पुनर्जागरण करते हुए उसके संरक्षण का काम किया है। प्रधानमंत्री के प्रयास के चलते देश की नई पीढ़ी भारत की संस्कृति में अपने लिए एक सम्मान का प्रतीक खोजते हुए भारतीय कहलाने में गर्व की अनुभूति करने लगी है।

हमारा देश विश्वभर में ज्ञान और विज्ञान के केंद्र के रूप में पहचाना जाता था लेकिन एक लंबे गुलामी के कालखंड में हमारी मानसिकता में जिस तरह से बदलाव हुआ, उसके चलते हमने स्वयं अपनी विरासत और क्षमताओं पर गर्व करना समाप्त कर दिया था।

संक्षिप्त समाचार

संकल्प यात्रा को लेकर लोजपा रामविलास की बैठक, प्रदेश अध्यक्ष हुए शामिल

भागलपुर। लोजपा रामविलास के संकल्प यात्रा को लेकर पार्टी के प्रदेश के कई अधिकारी गुरुवार को भागलपुर पहुंचे। संकल्प यात्रा की तैयारी को लेकर जीरोमाइल स्थित एक विवाह भवन एक अहम बैठक की गई। जिसमें सभी प्रकोष्ठ के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान पार्टी की मजबूती और लोगों को इस यात्रा में शामिल करने के लिए लोगों जागरूक करने के लिए चर्चा हुई। यात्रा में शामिल होने की बात वहीं संकल्प यात्रा को सफल बनाने के लिए बैठक में शिरकत करने पहुंचे रामविलास लोजपा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी, प्रदेश सचिव पियूष पासवान, नाथनगर विधानसभा पूर्व प्रत्याशी अमर कुशवाहा और भागलपुर के पूर्व प्रत्याशी राजेश वर्मा ने संयुक्त रूप से कहा कि पार्टी को मजबूत और शक्तिशाली बनाने के लिए पूरे बिहार में संकल्प यात्रा निकाली जा रही है। इसी क्रम में आज 36 जिला के बाद भागलपुर में संकल्प यात्रा रैली के लिए बैठक की गई है। जिसमें सभी प्रकोष्ठ के पदाधिकारी, सभी प्रखंड और बूथ स्तर के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने काफी संख्या में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।
बैठक में सबों ने अपनी अपनी बातों को रखा। उल्लेखनीय हो कि संकल्प यात्रा गांव स्तर तक पार्टी को मजबूत और धारदार बनाने के लिए निकाली जा रही है। आगामी लोकसभा और 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में लोजपा के बेहतर प्रदर्शन के लिए भी यह संकल्प यात्रा महत्वपूर्ण साबित होगी।

दलाई लामा से मिले सीएम नीतीश

बौद्ध धर्म सहित सभी धर्मों के प्रति हमलोगों का सम्मान है: मुख्यमंत्री

बीएनएम@पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को बोधगया के तिब्बतियन मॉनेस्ट्री पहुंच कर बौद्ध धर्म गुरु दलाई लामा से मुलाकात की। उनसे बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि आप जब भी यहां आते हैं तो हम आपसे मिलने आते हैं और आपका आशीर्वाद लेते हैं। सभी धर्मों के प्रति हमलोगों का सम्मान है। बौद्ध धर्म के प्रति भी हमलोगों का सम्मान है।

मुख्यमंत्री ने दलाई लामा को वैशाली में बनने वाले बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री के आग्रह को दलाई लामा ने स्वीकार किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने दलाई लामा से मुलाकात के दौरान उन्हें पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिह्न भेंटकर उनका स्वागत किया

और उन्हें नमन कर उनका आशीर्वाद लिया। दलाई लामा ने मुख्यमंत्री को दीर्घायु एवं स्वस्थ रहने का आशीर्वाद दिया और मुख्यमंत्री ने भी दलाई लामा के स्वस्थ और सुदीर्घ जीवन की कामना की।

इसके पश्चात तिब्बतियन मॉनेस्ट्री में ही मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय संघ मंच के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। इसके बाद महाबोधि मंदिर परिसर में मुख्यमंत्री ने महाबोधि महाविहार एवं बोधगया टेंपल मैनेजमेंट कमेटी कार्यालय में 180 केडब्ल्यूपी सोलर पावर प्लांट का शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास किया।

साथ ही महाबोधि मंदिर के उत्तर दिशा में पीतल से निर्मित भव्य द्वार का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने महाबोधि मंदिर के आउटर बाउंड्री रेलिंग का भी शिलान्यास किया। महाबोधि मंदिर में मुख्यमंत्री ने भगवान बुद्ध की पूजा-अर्चना की और राज्य की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने बोधि वृक्ष की भी पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर कृषि मंत्री कुमार सर्वजीत, बोधगया टेंपल मैनेजमेंट कमेटी के सदस्य अरविंद सिंह, चीफ मौंक चालीन्दा भंते समेत वरीय पदाधिकारी, भंतेगण और बौद्ध श्रद्धालुगण मौजूद थे।

सड़क दुर्घटना में तीन युवक की मौत
दो घायल को किया गया पटना रेफर

झारखंड के रजरप्पा से लौट रहे थे सभी युवक

बीएनएम@नवादा

बिहार में नवादा जिले के रजौली थाना क्षेत्र के स्टेट हाईवे (एसएच-70) पर गुरुवार सुबह सड़क दुर्घटना में तीन युवक की मौत हो गई तथा दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल युवकों को बेहतर इलाज के लिए पटना भेजा गया है ।

पुलिस के मुताबिक स्कॉर्पियो की रफ्तार इतनी तेज थी कि चालक वाहन को संभाल नहीं पाया और स्कॉर्पियो सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। जिससे पेड़ उखड़ गए और तीन युवक की मौत घटनास्थल पर ही हो गई।

मृतक में नवादा जिले के सिरदला थेन के

नरौली निवासी चंदन कुमार-पिता संजय सिंह, नरहट थेन के खनवा निवासी विवेक कुमार-पिता स्वर्गीय संजय सिंह और रोशन कुमार पिता-मनोज सिंह शामिल है। घायलों में खनवा निवासी गोपाल कुमार-पिता मंटू सिंह, प्रिंस कुमार पिता-जितेंद्र कुमार शामिल है।

सभी घायलों को डायल 112 की टीम द्वारा अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया। थाना प्रभारी पवन कुमार दलबल के साथ अनुमंडल अस्पताल पहुंचकर सभी घायलों का हाल-चाल जाना और शव को पोस्टमार्टम के लिए नवादा भेज दिया। घटना की सूचना मृतक और घायलों के परिवार को दे दी गई है।

थाना अध्यक्ष ने बताया कि पांच युवक स्कॉर्पियो से झारखंड के रजरप्पा से लौटकर नवादा जिले के खनवा गांव जा रहे थे। स्कॉर्पियो असंतुलित हो गई। जिस कारण तेज रफ्तार से जा रहे स्कॉर्पियो पेड़ में टकरा गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि जोर की आवाज हुई। जिससे आसपास के ग्रामीण दौड़े। ग्रामीणों ने पुलिस के डायल 112 नंबर पर फोन कर पुलिस को बुलाया। सभी पुलिस कर्मियों के सहयोग से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। तीन युवक की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई थी। लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल नवादा भेज दिया गया है।

बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर भाकपा का धरना

भागलपुर। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर गुरुवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) द्वारा प्रखंड सह अंचल कार्यालय सबौर में धरना दिया। धरना का नेतृत्व भाकपा बिहार राज्य कार्यकारिणी सदस्य डॉ सुधीर शर्मा, अंचल सचिव राजकिशोर मंडल और जिला परिषद सदस्य प्रदीप कुमार सिंह ने किया। धरनार्थियों को संबोधित करते हुए डॉक्टर सुधीर शर्मा ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार बिहार की जनता के साथ भेदभाव पूर्ण रवैया अपनाए हुए है।
कार्यकारिणी सदस्यों ने कहा कि केंद्र सरकार की इन्हीं गलत नीतियों के कारण बिहार पिछड़ापन का शिकार बना हुआ है। बिहार की जनता दशकों से राज्य को विशेष दर्जा की मांग कर रही है। लेकिन वे इसकी अनदेखी कर रहे हैं। इस अवसर पर राष्ट्रपति के नाम स्मार पत्र समर्पित कर बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने की मांग की गई।
इसके अलावा स्थानीय जन समस्याओं के समाधान के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी सबौर को नौ सूत्री मांग पत्र समर्पित किया। धरना में परमानंद मंडल, उमेश मंडल, भिगो मंडल, नंदकिशोर यादव, छंगुरी मंडल, शंकर मंडल, पप्पू मंडल, पुलिस मंडल, राजेंद्र मंडल, किशोरी मंडल, दिलीप मंडल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बिहार डेयरी एंड कैटल एक्सपो का उद्घाटन

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार तीन दिवसीय बिहार डेयरी एंड कैटल एक्सपो-2023 का दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत उद्घाटन किया। उन्होंने रिमोट के माध्यम से 239.96 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित कॉम्फेड, पटना के पांच डेयरी संयंत्रों, 172.76 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित कॉम्फेड, पटना के अन्य उपस्करों का उद्घाटन तथा पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, किशनगंज का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने कॉम्फेड, पटना के पांच नए उत्पादों मिठाईयां, नमकीन, कुकीज, ब्रेड एवं पेयजल (सुधा सलिल) का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार एवं दुग्ध संघों को 10.50 करोड़ रुपये के लाभांश वितरण से संबंधित चेक प्रदान किया, जिसमें राज्य सरकार को 5.76 करोड़ रुपये एवं दुग्ध संघ को 4.74 करोड़ रुपये वितरित

किये जायेगे।

बिहार वेटनरी कॉलेज, पटना के निकट स्थित परिसर में 14.31 करोड़ रुपये की लागत से कॉम्फेड के कार्यालय परिसर में निर्मित होने वाले नए कार्यालय भवन एवं मत्स्य अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र, मीठापुर, पटना में 54.35 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले मत्स्य विकास भवन का शिलान्यास किया। कॉम्फेड के कार्यालय परिसर में 3.57 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित होनेवाली सुधा के कैफेटेरिया का शिलान्यास किया।

सीएम ने बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना का पशु पोषण एप लॉच किया। उन्होंने डेयरी एंड कैटल एक्सपो-2023 का भ्रमण किया। तीन दिनों तक चलने वाले बिहार डेयरी एंड कैटल एक्सपो-2023 में कई राज्यों एवं बिहार के विभिन्न जिलों से लाये गये उन्नत नस्ल के दुधारू मवेशियों/सांढ़ों के विषय में मुख्यमंत्री को जानकारी दी गयी।

बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना के खेल मैदान में तीन दिनों तक चलने वाले बिहार डेयरी एंड कैटल एक्स्पो-2023 का आयोजन पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, कॉम्फेड तथा बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इस एक्सपो में किसानों को गुणवत्तापूर्ण पशु आहार बनाने के विषय में जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा देश में पशुधन की उचित देखभाल, फार्म प्रबंधन, उत्पाद निर्माण, पशु स्वास्थ्य एवं प्रजनन इत्यादि से संबंधित उपकरणों, दवाओं तथा अन्य सेवाओं की प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया है। इसमें लगभग 50 कंपनियों भाग ले रही हैं।

इस एक्सपो में पानीपत, हरियाणा से जाने माने मुर्रा नस्ल के भैंसा गोलू-2 को लाया गया है, जो सभी के लिए आकर्षण का केंद्र है। इस भैंसे का सीमन (फॉर आर्टिफीसियल इन्सेमीनेशन) हर साल 15 लाख में बिकता है। पानीपत के पशु मेले में इसकी कीमत 10 करोड़ रुपये लगाई गई थी। इस भैंसे के मालिक किसान पद्मश्री नरेंद्र सिंह हैं। ये किसान इस मेले में उन्नत पशुधन के बारे में जानकारी देकर बिहार के किसानों को प्रेरित करेंगे।

चोरी की बाईक एवं मास्टर चाभी के साथ 2 स्थानीय युवक गिरफ्तार

बीएनएम@रक्सौल

भारत-नेपाल सीमा के रक्सौल से आए दिन बाईक चोरी की घटना सामने आती है और अक्सर चोर नहीं पकड़े जाते हैं, परंतु इस बार चोरों का दांव उल्टा पड़ गया है। स्थानीय स्टेशन पर तैनात आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने शहर के दो चोरों को रेलवे परिक्षेत्र से चोरी की एक बाईक एवं मास्टर चाभी के साथ गिरफ्तार किया है।

जिसकी जानकारी देते हुए आरपीएफ पोस्ट कमांडर निरीक्षक ऋतुराज कश्यप एवं जीआरपी थानाध्यक्ष श्रीधर मुकुंद ने संयुक्त रूप से बताया कि रेल पुलिस कांड संख्या 51/23 के अभियुक्त मौजे वार्ड-14 निवासी रामनारायण राम के 22 वर्षीय पुत्र राजा राम एवं राजू राम के पुत्र अभिषेक कुमार उर्फ भोलू को गिरफ्तार किया गया है।

आरपीएफ–जीआरपी की संयुक्त कार्रवाई में दो शातिर बाइक चोर गिरफ्तार

चोरी की बाइक और मास्टर चाबी बरामद

बीएनएम@मोतिहारी

जिले के सीमाई रक्सौल शहर में रेलवे सुरक्षा बल व राजकीय रेल थाना रक्सौल द्वारा चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत गुरुवार दो शातिर बाइक चोरों को रेलवे परिक्षेत्र से चोरी की एक बाइक एवं मास्टर चाबी के साथ गिरफ्तार किया है।

इसकी जानकारी देते हुए आरपीएफ पोस्ट कमांडर निरीक्षक ऋतुराज कश्यप एवं जीआरपी थानाध्यक्ष श्रीधर मुकुंद ने संयुक्त रूप से बताया कि दोनों बाइक चोर की पहचान मौजे वार्ड संख्या-14 निवासी रामनारायण राम के 22 वर्षीय पुत्र राजा राम एवं राजू राम के पुत्र अभिषेक कुमार उर्फ भोलू के रूप में हुई है।

दोनों चोर रेलवे परिक्षेत्र में चोरी के बाइक से पहुंचे थे और अन्य बाइक को उड़ाने को लेकर मास्टर चाबी का प्रयोग करने का प्रयास कर रहे थे। जीआरपी थानाध्यक्ष श्रीधर मुकुंद ने बताया कि दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत भेजा जा रहा है।

श्रम विभाग की विशेष धावा टीम ने ईंट भट्ठा से दो बाल श्रमिकों को कराया विमुक्त

मोतिहारी। श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी तुरकौलिया एवं सुगौली के नेतृत्व में गुरुवार को विशेष धावा दल के द्वारा ईंट भट्ठा में सघन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान मालती ईंट भट्ठा से दो बाल श्रमिकों को धावा दल की टीम के द्वारा विमुक्त कराया गया।

जिला श्रम अधीक्षक सत्य प्रकाश ने बताया कि यह अभियान 22.12.2023 तक क्रियाशील रहेगा। बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन अधिनियम, 1986 के तहत सभी नियोजकों के विरुद्ध संबंधित थाने में प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है जबकि सभी विमुक्त बाल श्रमिकों को बाल कल्याण समिति, पूर्वी चंपारण के समक्ष उपस्थापित कर उन्हें बाल गृह में रखा गया है। श्रम अधीक्षक सत्य प्रकाश ने बताया कि बच्चों से ईंट भट्ठा में कार्य कराना बाल एवं किशोर श्रम प्रतिषेध एवं विनियमन के अंतर्गत गैर कानूनी है। बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के अंतर्गत बाल श्रमिकों से कार्य कराने वाले व्यक्तियों को 20 हजार रुपये से 50 हजार रुपये तक का जुर्माना और 2 वर्षों तक का कारावास का प्रावधान है।

इसके अतिरिक्त सर्वोच्च न्यायालय के निदेश के आलोक में सभी नियोजकों से 20,000 (बीस हजार रुपये प्रति बाल श्रमिक की दर से राशि की वसूली की जाएगी। आज की इस विशेष धावा दल की टीम में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, सुगौली दिवाकर प्रसाद, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, तुरकौलिया संजय कुमार, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, कल्याणपुर सरफराज अहमद खान, प्रयास संस्था से विजय कुमार शर्मा पुलिस लाइन से पांच पुलिस कर्मी एवं एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की टीम शामिल थी।

अलविदा तनाव कार्यक्रम से किए गए जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन

बेतिया। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के बेतिया शाखा के तत्वाधान में अलविदा तनाव कार्यक्रम के विषय को लेकर गुरुवार को संतघाट कार्यालय में एक प्रेस संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें अपने विचार व्यक्त करते हुए अलविदा तनाव की सुप्रसिद्ध वक्ता राज योगिनी पूनम दीदी जो इंदौर से पधारी हैं ने कहीं की पिछले 25 वर्षों से देश के कोने कोने में यह कार्यक्रम हो रहा है। जिससे लाखों लोगों ने स्वयं के जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन किए हैं। लोगों ने न स्वयं को तनाव मुक्त किये बल्कि अपने आस पड़ोस के लोगों को भी सुखी होने की कला सिखाएं। उन्होंने आगे कहे कि बिहार के कई शहर जैसे भागलपुर, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, मुंगेर इत्यादि अनेक शहरों में उन्होंने कार्यक्रम किये जिसका बहुत ही सुंदर फीडबैक वहां मिला आशा है बेतिया के लोग भी इस निःशुल्क कार्यक्रम का पूरा-पूरा लाभ लेंगे और अपने जीवन को तनाव मुक्त कर खुद भी खुशी रहकर सभी को खुशी बाटेंगे। अपने विचार व्यक्त करते हुए बेतिया संस्था के मुख्य संचालिका बीके अंजना दीदी जी ने कहीं की मीडिया एक बहुत बड़ा स्तंभ है समाज को श्रेष्ठ बनाने के लिए, आशा है आप सभी मीडिया भाई बहन इस कार्यक्रम को बेतिया शहर एवं उसके आसपास के गांव में संदेश फैलाने में हम सबका मदद करेंगे और जन जन तक यह संदेश फैलाएंगे। इस प्रेस सम्मेलन में जमशेदपुर टाटा से रागिनी बहन, गोरखपुर से पारुल बहन, दरभंगा से आरती बहन, मधुबनी से संगीता बहन एवं दरभंगा से सुधाकर भाई , बेतिया सेवा केंद्र के बंटी भाई राकेश भाई एवं गौरव भाई भी उपस्थित रहे । उपरोक्त कार्यक्रम में उद्घाटन करता के रूप में जिला सत्र न्यायाधीश त्रिलोकी दुबे, मुख्य अतिथि के रूप में जिलाअधिकारी दिनेश राय, अति विशिष्ट अतिथि महापौर गरिमा सिकारिया, बेतिया नगर आयुक्त , सेल टैक्स के ज्वाइंट कमिश्नर विपिन मंडल सामान्य अतिथि के रूप में नगर आयुक्त सिविल सर्जन, बेतिया मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के सुपरिंटेंडेंट, राम लखन सिंह यादव कॉलेज के प्रिंसिपल एवं एसजीके कॉलेज के प्रिंसिपल भी उपस्थित रहेंगे। सभी कार्यक्रम 22 दिसंबर से लेकर 30 दिसंबर तक प्रातः 7:30 बजे से 9:00 बजे तक महाराज स्टेडियम (बड़ा रमणा) बेतिया में होगा।

योजना छौड़ादानो में रोजगार सह मार्गदर्शन मेला का आयोजन

13 कंपनियों ने बच्चों को दिए रोजगार के टिप्स

बीएनएम@मोतिहारी

जिले के छौड़ादानों प्रखंड में जीविका परियोजना के तत्वाधान में राजकीय मध्य विद्यालय छौड़ादानों (बालक) के खेल मैदान में रोजगार सह मार्गदर्शन मेला का आयोजन किया गया। मेले में देश के कई प्रसिद्ध कंपनियों में शिवशक्ति बायोटेक, नवभारत फर्टिलाइजर, होप केयर, आईसेक्ट ,क्वेस्कॉर्प एवं ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान सहित कुल 13 कंपनियों ने भाग लिया।

मेले का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि बिहार के विधि मंत्री डा. शमीम अहमद जिला परियोजना प्रबंधक गणेश पासवान, प्रखंड विकास पदाधिकारी मोहम्मद वाशिक हुसैन एवं जीविका संकुल की दीदियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मेले में छौड़ादानों प्रखंड के अलावा रक्सौल, आदापुर एवं

रामगढ़वा प्रखंड के बेरोजगार युवक-युवतियां उपस्थित होकर रोजगार एवं प्रशिक्षण हेतु विभिन्न कंपनियों में आवेदन किया।

इस अवसर पर विधि मंत्री डा.शमीम अहमद ने कहा की जीविका के माध्यम से बिहार के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोजगार एवं प्रशिक्षण उपलब्ध हो रहा है। जिसमे जीविका दीदियाँ महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही है।जीविका जिला परियोजना प्रबंधक गणेश पासवान ने कहा कि ग्रामीण जीविका दीदियों द्वारा जीविकोपार्जन के लिए विभिन सामाजिक कार्य किया जा रहा है,जिससे समाज में व्यापक परिवर्त्तन हो रहा है। उन्होंने इस मौके पर उपस्थित अभ्यर्थियों को रोजगार एवं प्रशिक्षण हेतु विशेष मार्गदर्शन भी दिया। जीविका रोजगार प्रबंधक अभिषेक आनंद ने बताया कि रोजगार सह मार्गदर्शन मेला में कुल 931 बेरोजगार युवक-युवतियों ने अपना पंजीकरण कराया जिसमे विभिन्न कंपनियों द्वारा कुल 227 अभ्यर्थियों को सीधी नियुक्ति के लिए चयन किया गया। वही 112 अभ्यर्थियों को डीडीयूजीकेवाई के लिए प्रशिक्षण हेतु चयन किया गया। साथ ही 65 अभ्यर्थियों को RSETI एवं 25 आवेदकों को कुशल युवा कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण हेतु चयन किया गया । इस अवसर जिला एवं प्रखंड स्तर के कई अधिकारी,सामुदायिक समन्वयक एवं सैकड़ों जीविका दीदी एवं कैडर उपस्थित थे।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति को मिला लोकनायक जयप्रकाश सम्मान

मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी के कुलपति प्रो संजय श्रीवास्तव को शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए लोकनायक जय प्रकाश पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया गया है।

यह पुरस्कार गुरुवार को दिल्ली में आयोजित एक समारोह में पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने प्रदान किया है। लोकनायक जय प्रकाश पुरस्कार शिक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय नेतृत्व, समर्पण और महत्वपूर्ण प्रभाव के लिए दिया जाता है। शिक्षा की गुणवत्ता व नवाचार को बढ़ावा देन के साथ ही अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए कुलपति के अथक प्रयासों को देखते हुए उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान दिया गया है। इस पुरस्कार समारोह में विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों, विद्वानों और नेताओं की उपस्थिति रही। राम नाथ कोविन्द ने अपने संबोधन में शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता और राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में उनकी भूमिका की सराहना की।

चेतना: पहल बदलाव की ओर कार्यक्रम आयोजित

मोतिहारी। लिंग आधारित हिंसा के विरुद्ध राष्ट्रीय अभियान के तहत नई रूचेतना- पहल बदलाव की ओररू कार्यक्रम का आयोजन चकिया प्रखंड मुख्यालय स्थित साभार में किया गया।

यह कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास निगम के निर्देशानुसार प्रखंड स्तर पर मिशन शक्ति एवं वन स्टॉप सेंटर द्वारा सखी वार्ता का भी आयोजन किया गया।

इस अवसर पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम अंतर्गत सहेंगे नहीं- कहेंगे -चुप्पी तोड़ेंगे, हर घर में अब आवाज उठेगी- बेटियां भी अब आगे बढ़ेगी, बेटी को मत समझो भार- जीवन का है यह अधिकार, एक बेटी वरदान है- बेटी ही देश की शान है, बेटियों को मत रखो तुम निरक्षर- बेटियां भी बनेगी बड़ी अफसर जैसी गगनभेदी श्लोगन के साथ

इस अवसर पर बाल विकास परियोजना पदाधिकारी श्वेता ने महिलाओ के साथ होने वाले लैंगिक असमानता एवं शोषण के प्रकार

के बारे में समझाया तथा कन्या उत्थान योजना सहित महिला और लड़कियों के लिए सरकार द्वारा संचालित योजना की जानकारी दी। वही उड़ान परियोजना के जिला समन्वयक हामिद रजा ने बाल अधिकार , बाल विवाह अधिनियम, बाल श्रम सहित समाज में फैले अन्य बुराईयों को खत्म करने पर बल दिया।

कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना पदाधिकारी श्वेता, लेडिस सुपरवाइजर संगीता कुमारी, प्रतिमा कुमारी, हीना कौसर, सबिता भारती, जीविका बीपीएम सुमित कुमार राव, कम्युनिटी कोऑर्डिनेटर आकाश सिंह, एरिया कोऑर्डिनेटर रुपमणी कुमारी सहित सौ से अधिक जीविका दीदी शामिल हुए।

उत्सवी माहौल में आठ दिवसीय नाइट ब्लड सर्वे आरंभ

सर्वे के दौरान फाइलेरिया परजीवी को चिह्नित करने को जागरूक देखे गए युवा

सिविल सर्जन ने बेतिया पीएचसी, रानी पकड़ी से किया नाइट ब्लड सर्वे का शुभारम्भ

बेतिया। फाइलेरिया रोग के परजीवी की पहचान को लेकर जिले के सभी 18 पीएचसी के चिह्नित साइटों पर लैब टेक्नीशियन व स्वास्थ्यकर्मियों की टीम द्वारा उत्सवी माहौल में पीएचसी को बैलून व बैनर पोस्टर के साथ सजाकर नाइट ब्लड सर्वे का संचालन किया जा रहा है। जिले के बेतिया पीएचसी, रानी पकड़ी से सिविल सर्जन डॉ श्रीकांत दुबे व एसीएमओ डॉ रमेश चंद्रा द्वारा नाइट ब्लड सर्वे का शुभारम्भ किया गया। मौके पर उपस्थित सिविल सर्जन डॉ दुबे ने बताया की 20 से 23 दिसम्बर एवं 26 से 29 दिसम्बर आठ दिनों तक नाइट ब्लड सर्वे किया जाएगा। जिसमें रात 08:30 से लेकर 12 बजे तक 20 वर्ष से ऊपर के व्यक्तियों के ब्लड सैम्पल लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि रात में सैंपल लेने का मुख्य कारण है कि इस समय शरीर में फाइलेरिया के परजीवी ज्यादा एक्टिव होते हैं। उन्होंने बताया कि ब्लड सैंपल कलेक्शन के बाद 24 घंटे के अन्दर स्टैनिंग की प्रक्रिया करा ली जाएगी। वहीं जाँच के उपरांत जहां माइक्रो फाइलेरिया दर 1 प्रतिशत या अधिक होगी उन स्थानों पर 10 फ़रवरी से सर्वजन दवा सेवन अभियान की शुरुआत की जाएगी।

जिला फाइलेरिया इंचार्ज राजकुमार शर्मा व भीबीडीएस प्रकाश कुमार ने बताया कि आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, मुखिया, सरपंच, वार्ड पार्षद, जीविका दीदी व स्वास्थ्यकर्मियों के सहयोग से रक्त जाँच कराने हेतु प्रचार प्रसार किया गया है। जिसके कारण पीएचसी पर नाइट ब्लड सर्वे के दौरान युवाओं में जागरूकता देखी गई। लोग उत्साहित होकर अपने रक्त की जाँच कराते हुए दिखे। भीबीडीएस प्रकाश कुमार ने बताया कि अभी सेंटिनल साइट पर 300 सैंपल लिए जाने हैं। इसके पश्चात रैंडम साइट पर इसी प्रकार प्रत्येक साइड से 300 रक्त के नमूने लिए जाएंगे।

संक्रमित मादा क्यूलेक्स मच्छर के काटने से फैलता है फाइलेरिया:

भीबीडीएस प्रकाश कुमार, पिरामल संस्था से राजू सिंह, अंजलि उड़मेदकर ने कहा कि फाइलेरिया संक्रमित मादा क्यूलेक्स मच्छर के काटने से फैलता है। प्रकाश कुमार ने कहा कि पूरे संसार में लेप्रोसी के बाद यह दूसरा सबसे बड़ा रोग है जिससे स्थाई विकलांगता आ जाती। इसका कोई निदान नहीं है। सर्वजन दवा सेवन द्वारा बचाव ही इसका मुख्य समाधान है।

मौके पर बेतिया के बीसीएम, बीएचएम पिरामल संस्था से राजू सिंह, अंजलि उड़मेदकर,अजय कुमार, शिवांश दुबे, श्याम सुन्दर कुमार, पीसीआई से बिपिन कुमार मौजूद थें।

आग लगने से तीन घर जलकर खाक

मोतिहारी। रामगढ़वा प्रखंड क्षेत्र के पटनी पंचायत के मीनाटोला गांव में बुधवार की शाम अचानक आग लगने से तीन लोगों की घर जल कर राख हो गया। बतादे की मीना टोला निवासी पुनदेव राम, कुंदेव राम तथा विनोद राम का आवासीय घर जल कर राख हो गया। आगलगी की इस घटना में तीन मवेशी सहित अनाज, कपड़े जल कर राख हो गया।

जद-यू कार्यकर्ताओं से पटना चलो का आह्वान: राजेश

मोतिहारी। जिला जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ की बैठक प्रदेश महासचिव ई० राजेश कुमार पांडेय के मोतिहारी स्थित आवासीय कार्यालय पर हुई जिसमें 24 दिसंबर को जद-यू प्रदेश कार्यालय पटना में शीर्ष नेतृत्व की उपस्थिति में एक दिवसीय महत्वपूर्ण बैठक में शामिल होने के लिए चर्चा की गई । श्री पांडेय ने बताया इस बैठक में प्रदेश शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्ष एवं जिला के सभी महत्वपूर्ण साथी के पूर्वी-चम्पारण जिले से भागीदारी होनी चाहिए।

दुष्कर्म मामले में एक को दस वर्षों का कारावास

मोतिहारी। प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार ने बैंक से रुपये निकासी कर लौट रही एक महिला के साथ दुष्कर्म कर उसके रुपये छीन लिए जाने मामले में दोषी पाते हुए नामजद एक अभियुक्त को दस वर्षों का सश्रम कारावास एवं पच्चीस हजार रुपये अर्थ दंड की सजा गुरुवार को सुनाई। सजा मेहसी थाना के मिठनपुरा निवासी बहादुर यादव को हुई। मामले में पीड़िता ने मेहसी थाना कांड संख्या-76/2012 दर्ज कराते हुए बहादुर यादव एवं यादो लाल यादव को नामजद की थी। जिसमें कहीं थी की वह चुड़ी बेचने का कार्य करती है। 14 मार्च 2012 को करीब 3.30 बजे भारतीय स्टेट बैंक, कटहा से 14 हजार रुपये निकासी की तथा दो हजार रुपये का सामान बेची थी। संध्या होने के कारण कोई सवारी नहीं मिली तो वह पैदल ही घर आने लगी।

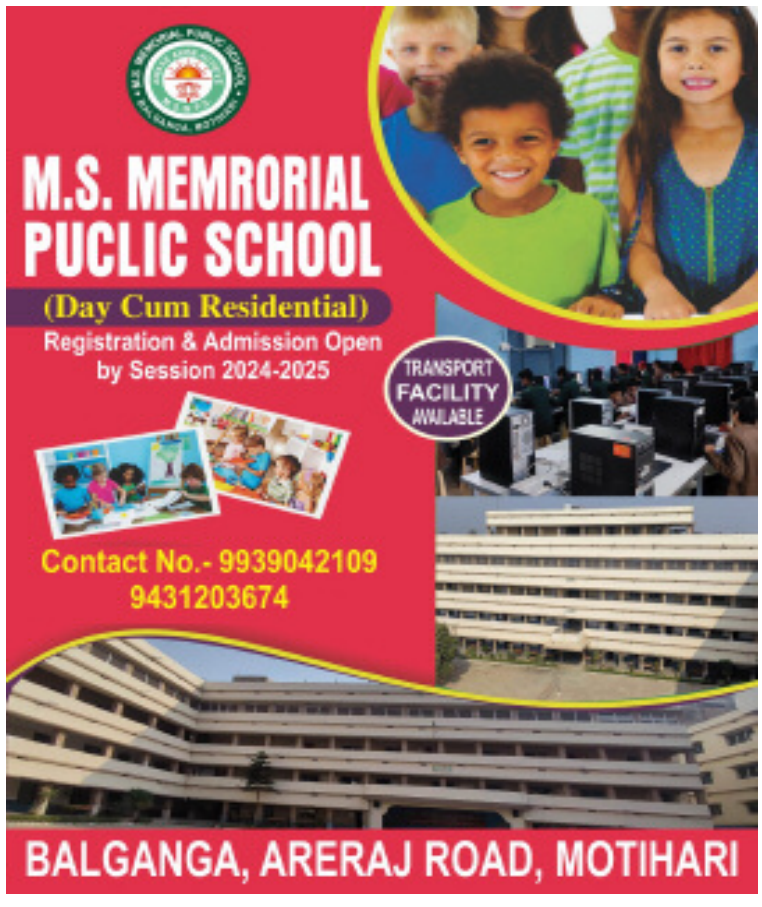

BORDER NEWS MIRROR

Editorial

Friday 22 December 2023

वैश्विक लोकप्रियता के शिखर पर नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर विरोधियों द्वारा लाख आरोप-प्रत्यारोप लगाये जाते रहे हों पर इसमें दो राय नहीं कि आज लोकप्रियता में दुनिया के दिग्गज नेताओं में शीर्ष पर कोई नेता है तो वह मोदी ही हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन या रूस के पुतिन हों या अमेरिका के ही पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प, नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता के आसपास भी नहीं टिकते हैं। अमेरिका की कंसल्टेंसी फर्म मार्निंग कंसल्ट द्वारा इसी माह की शुरुआत में कराए गए सर्वे में यह साफ हो गया कि सर्वे में हिस्सा लेने वाले दुनिया के अलग-अलग देशों के 76 फीसदी लोगों की पहली पसंद नरेन्द्र मोदी हैं। लोकप्रियता में नकारने वाले भी केवल 18 फीसदी ही हैं जबकि 6 फीसदी ने अपनी कोई राय उजागर नहीं की। इससे पहले अमेरिकी थिंक टैंक प्यू रिसर्च सेंटर द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार देश के 10 में से 8 व्यक्ति नरेन्द्र मोदी के प्रति सकारात्मक राय रखते हैं। यानी देश के 80 फीसदी लोग नरेन्द्र मोदी में विश्वास रखते हैं। 55 फीसदी लोगों की पहली पसंद नरेन्द मोदी है। देश की केवल 20 फीसदी आबादी नरेन्द्र मोदी को पसंद नहीं करती है। लोकप्रियता की सूची में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन 8 वें पायदान पर हैं। विश्वव्यापी लोकप्रियता अर्जित करना सामान्य बात नहीं है। हमारे देश के लिए तो यह और भी गर्व की बात हो जाती है कि हमारे नेता की लोकप्रियता दुनिया में पहले पायदान पर है। खास बात यह है कि लोकप्रियता के साथ विश्वसनीयता में भी वे सबसे आगे हैं। लोकप्रियता में अव्वल आना इस मायने में बड़ी बात है कि 76 फीसदी मामूली आंकड़ा नहीं है। यह लोकप्रियता के दूसरे पायदान पर रहे मैक्सिको के राष्ट्रपति एन्ड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर से पूरे दस प्रतिशत अधिक है। यानी नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता का आंकड़ा 76 फीसदी है तो दूसरे पायदान पर रहे मैक्सिको के राष्ट्रपति की लोकप्रियता का आंकड़ा 66 फीसदी यानी कि दस फीसदी कम है।

कम से कम संविधान के आधार स्तम्भ को तो मत हिलाओ !

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

संसद को लोकतंत्र के मंदिर के रूप में देखा जाता है। भारतीय संसद न सिर्फ कानून बनाती है, बल्कि देश कैसे चलेगा, भारत के लोक का भविष्य क्या होना चाहिए, उसके लिए कौन से निर्णय लेने के साथ समाज की व्यवस्थाओं से लेकर लोक कल्याणकारी राज्य शासन के लिए जो भी कुछ श्रेष्ठ किया जा सकता है या किया जाना चाहिए वह सभी निर्णय लेने और उसके लिए कोष उपलब्ध कराने का काम यही संसद करती है। ऐसे में राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री करने का जो मामला हुआ है, उसने आज बहुत कुछ सोचने में मजबूर कर दिया है। क्या हम ऐसा करके अपनी ही संवैधानिक संस्थाओं की मर्यादा तार-तार नहीं कर रहे? अभी यही काम संविधान की एक अन्य स्तम्भ कही जानेवाली न्यायपालिका के प्रमुख को लेकर किया जाता तो क्या होता? आप विचार करिए। इस मामले में स्थिति की गंभीरता समझिए कि देश की 'राष्ट्रपति' तक को कहना पड़ रहा है कि जो हुआ वह नहीं होना चाहिए था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बोल रही हैं कि जिस तरह से हमारे सम्मानित उपराष्ट्रपति को संसद परिसर में अपमानित किया गया, उसे देख कर निराशा हुई। निर्वाचित प्रतिनिधियों को खुद को व्यक्त करने के लिए स्वतंत्र होना चाहिए, लेकिन उनकी अभिव्यक्ति गरिमा और शिष्टाचार के मानदंडों के भीतर होनी चाहिए। भारत में उपराष्ट्रपति जैसे संवैधानिक पद के साथ संसद में ऐसा होना दुर्भाग्यपूर्ण है। राष्ट्रपति मुर्मू की तरह ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस घटना पर क्षोभ जता चुके हैं। उन्होंने भी माना, विपक्षी संसद सदस्यों ने संसद परिसर में जो किया वह अत्यधिक आपत्तिजनक है। संसद परिसर में कुछ सांसदों के व्यवहार को उन्होंने दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। आज संसद सदस्य होकर इस तरह से राज्यसभा के सभापति का अपमान कर रहे हो, कल जब आप अपने क्षेत्रों में जाएं या अन्य स्थानों पर जहां संसद सदस्य इस नाते नियमानुसार जो प्रोटोकॉल आपको मिलता है, वह देनेवाला शासन और प्रशासन यदि उसे देने में मना कर दे या आपका किसी तरह से अपमान कर दे, तब आप क्या कहेंगे और करेंगे? क्या आप उस अपमान को सामान्य मानेंगे? जैसा कि इस वक्त उक्त टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी द्वारा उपराष्ट्रपति धनखड़ की नकल उतारने पर सफाई दी जा रही है। कल्याण मुखर्जी कह रहे हैं कि मिमिक्री करना तो एक कला है। वे अपने किए पर माफी मांगने को लेकर 'नो' कह चुके हैं। यदि इस प्रकार की अमर्यादित गतिविधियों को तत्काल नहीं रोका गया तो यहां जैसे संवैधानिक मर्यादा को तोड़ने का प्रयास हुआ है, वैसे ही कल इसी प्रकार से न्यायालयीन निर्णयों का मजाक बनना शुरु हो जाएगा। साथ ही आयोग और संबद्ध गतिविधियों का मजाक बनाना शुरु हो जाएगा। वैसे आयोगों को सिविल न्यायालय के रूप में कार्य करने की शक्ति उन्हें सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 (1908 का 5) के अधीन प्रदान की गई है जो केंद्र के स्तर पर समस्त भारत भर में और राज्य के स्तर पर संपूर्ण राज्य के किसी भी भाग से किसी व्यक्ति को 'समन' करने के साथ अपने समक्ष उपस्थिति के लिए बाध्य करने जैसे अनेक अधिकार प्रदान करता है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

Today's Opinion

किस तरह की विरासत छोड़ रहे हमारे सांसद

प्रियंका सौरभ

संसद में शोर-शराबा, वेल में जाकर नारेबाजी, एक-दूसरे पर निजी कटाक्ष करना यहां तक कि कई बार हाथापाई पर उतारु हो जाना आज संसद की आम तस्वीर है। आखिर सियासी पार्टियों और सांसदों का बर्ताव इतना अराजक क्यों हो गया है? क्या आज पार्टियों के निहित स्वार्थों ने संसद को मजाक बनाकर रख दिया है। अब समय आ गया है कि हमारे सभी सांसद इस बात पर ध्यान दें कि संसदीय लोकतंत्र को कैसे मजबूत किया जा सकता है। अन्यथा जनता ही उसका उपहास करने लगेगी। हमारे सांसदों को इस बात पर विचार करना चाहिए कि वे किस तरह की विरासत छोड़ रहे हैं। क्या वे संसद को इसके पतन के भार के नीचे दबने देंगे? आज जो हो रहा है, वो हम देख ही रहे हैं। उम्मीद है कि देश के सांसदों को, सांसद चलाने वालों को इस बात का भान जल्द हो कि देश का नागरिक उन्हें कितनी उम्मीद के साथ देखता है। साथ ही उन्हें कई मौकों पर उदाहरण की तरह रखता है। पिछले कुछ दिनों से संसद में जो कुछ हो रहा है, उससे देश निराश है। संसद चला कर ही सरकार विपक्ष के सवालों के जवाब सही ढंग से दे सकती है। हंगामे के माहौल में सांसदों को अपनी बात रखने का मौका ही नहीं मिलता। कोई बच्चा भी समझ सकता है वेल में जाकर नारेबाजी और हंगामा कर सदन की कार्यवाही रोकने से कैसे विरोध जताया जा सकता है। अच्छी बात तो तब कही जाएगी, जब आप अपने सवाल साफ-साफ रखें और सरकार साफ-साफ जवाब दे पाए। लेकिन इससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि संसद की कार्यवाही में बाधा अपवाद की बजाय नियम बन गया है और हमारे राजनेताओं को इस पर कोई पछतावा नहीं होता है। पिछले वर्षों में यह गिरावट बड़ी तेजी से आई है। सांसद एक-दूसरे पर चिल्लाते हैं, विधायी कागजों को छीन कर फाड़ देते हैं, छोटे से मुद्दे पर सदन के बीचों-बीच आ जाते हैं। पिछले वर्षों में ज्यादातर विधेयकों को बिना चर्चा के ही पारित किया गया है। यह संसदीय प्रणाली का दुरुपयोग है। सांसदों के रवैये को देखते हुए लगता नहीं है कि उनकी मंशा देश की विकास योजनाएं बनने देने की है। ऐसा लग रहा है कि सांसदों ने पूरे संसदीय लोकतंत्र को बंधक बना लिया है। क्योंकि लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही आजकल टीवी पर लाइव दिखाई जाती है, लिहाजा देश का आम आदमी भी वह सबकुछ देखता है, जो संसद में रोज हो रहा है। आखिर सांसद लोगों के सामने अपनी क्या छवि पेश कर रहे हैं? जरा सोचिए कि देश के लोगों के मन में आपकी क्या छवि बनती जा रही है? इस गिरावट का कारण यह है कि राजनीति आज संख्या का खेल बन गई है जिसके चलते क्षेत्रीय क्षत्रप अपनी मनमर्जी कराने के लिए दबाव डालते हैं। वे न केवल दादागिरी की राजनीति में विश्वास करते हैं अपितु सफल संसद सत्र के पैमाने को 'जिसकी लाठी, उसकी भैंस' भी बनाते हैं। आज विषय-वस्तु की बजाय आकार महत्वपूर्ण बन गया है जिसके चलते संसद में गली-मोहल्लों के झगड़ों जैसे दृश्य देखने को मिलते हैं। इसलिए इस गिरती राजनीतिक संस्कृति और नैतिक मूल्यों में संसदीय कार्यवाही में राजनीति को प्रभावित करने वाली विषय सामग्री नहीं मिलती है। कुल मिलाकर ऐसा लगता है कि संसद अब महज एक स्कोरिंग क्लब बन कर रह गई है। बहुतों को पता होगा कि संसद की एक मिनट की कार्यवाही पर ढाई लाख रुपए खर्च हो जाते हैं। इस तरह एक दिन की सामान्य कार्यवाही पर औसतन छह करोड़ रुपए का खर्च आता है। जिस दिन कार्यवाही लंबी चलती है, उस दिन खर्च और बढ़ जाता है। जरा सोचिए कि यह पैसा आता कहां से है। जाहिर है कि देश के आम लोगों की जेब से ही आता है। लोकतंत्र में इससे बड़ा और क्या मजाक होगा कि संसद की कार्यवाही लगातार ठप रही या फिर दिनभर रह-रह कर हंगामा होता रहे, फिर भी एक दिन में छह करोड़ रुपए खर्च हो जाएं। जरा सोचिए कि छह करोड़ रुपए से क्या-क्या हो सकता है? हजारों गांवों की किस्मत संसद की एक दिन की कार्यवाही पर होने वाले खर्च से बदल सकती है। लघु और कुटीर उद्योगों से हजारों नौजवानों की किस्मत संवर सकती है। लेकिन सांसद यह सब नहीं सोचते। विकास योजनाएं भले न बनें, व्यक्तिगत हित जरूर सुधरने चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796,
प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

ना कहना भी है एक कला है

श्याम कुमार कोलारे

हर कोई चाहता है कि वह हमेशा हर किसी का चाहेता बना रहे, हर कोई उसके काम की तारीफ करे एवं उसकी सराहना करे1 इसलिए वह उसको दिए गए काम एवं जिम्मेदारी को हमेशा से पूर्ण इमानदारी एवं लगन के साथ के साथ करता है और चाहता है इसका हमेशा उसको श्रेय मिले साथ ही साथ सभी के सामने उसके काम की प्रशंसा हो 1 परन्तु कभी आपने सोचा है सभी को खुश रखने के चक्कर में आप पर हमेशा जिम्मेदारियाँ बढ़ा दी जाती है, आप कोई भी काम को सहर्ष स्वीकार कर लेते है इसलिए आपको ही काम के लिए हमेशा चुना जाता है1 आप हमेशा काम वगैर कोई न-नुकर करे स्वीकार कर करने लगते है, आपको और अन्य काम की जिम्मेदारी सौप दी जाती है, पहले से आपके पास काम की एक लम्हैबी लिस्ट है,आपको और अतिरिक्त काम का बोझ डाल दिया जाता है1

किसी भी काम के लिए हमेशा हाँ कहना यानि अपने आप को और अधिक समय के लिए काम से जोड़ लेना है1 अतिरिक्त काम करना गलत नहीं है परन्तु यदि हमें पता है कि इससे हमें कोई विशेष फायदा नहीं होने वाला है, इससे केवल समय, शक्ति और उत्साह का हनन ही होना है तब भी काम करते रहना यह स्वयं को थकाने जैसा कार्य होता है 1 इससे काम करने वाला व्यक्ति अपने निजी पलो को भी प्रोपेस्नल कामो में लगा देता है और पर्सनल जीवन को अपने जॉब या नौकरी में लगा कर अपने स्वयं के सुखद पलो को खोते रहता है1

हमें रोज़मर्रा के जीवन में निरंतर दूसरों के अनुरोध का सामना करना पड़ता है। दूसरों की मदद करना भले ही अच्छी आदत कहलाती है लेकिन लगातार ऐसा करते रहने से हम पाते है कि अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए हमारे पास समय नहीं रह जाता है। इस तरह के कार्य करते रहने से हमारे भीतर हताशा पैदा होने लगती है। 'न' एक सरल शब्द है जो महज एक अक्षर का है लेकिन ज्यादातर लोगों के लिए 'न' उच्चारण कर पाना कठिन होता है। जबकि हम सभी जानते है कि 'न' कह देने से हम जीवन की अनेक कठिनाइयों से बच सकते हैं।

जतिन एक निजी कम्पनी में काम करता है, कम्पनी की तरफ से उसे फील्ड के दैनिक काम निर्धारित है, वह अपनी कम्पनी की तरफ से दी गई जिम्मेदारी के काम को भलीभांति पूर्ण निष्ठा के साथ करता है जिससे उसके बॉस के सामने उसकी अच्छी इमेज है1 वह सब कम समय पर करता है बॉस को उस पर पूर्ण विश्वास है कि वह किसी भी काम को अच्छे से कर सकता है1 कम्पनी में एक प्रोजेक्ट आता है, इस काम का पूर्व अवलोकन करने के लिए लोगो का चयन में जतिन एवं उसी के जैसे काम करने वाले लोगो का नाम आगे आता है, जतिन को इस नया काम की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी जाती है1 हमारे आसपास ऐसे कई उदाहरण मिल जायेंगे जो अपने काम से संतुष्ट न होने से अवसाद का शिकार हो जाते है1 अच्छे काम के लिए पहले जो जाने जाते थे अब उस काम में उनकी रुचि नहीं लगती है1 आखिर यह सब हुआ "ना" नहीं कहने के कारण1 हर काम के लिए हमेशा "हाँ" कह देना आप पर न केवल काम का बोझ बढ़ाएगा बल्कि आपको ऐसे कार्य भी करने होंगे जिनको करना आप पसंद नहीं करते है 1 आपको समझना होगा कि आपका समय और बहुमूल्य उर्जा सीमित है और आपको इसकी अहमियत देनी होगी 1 कई बार लोग अपनी छवि खराब होने के डर से किसी भी कार्य को "न" नही कह पाते है 1 लेकिन आपको यह समझना होगा कि काम करने के लिए "हां" कहने के बाद समय की कमी के चलते काम ख़राब होता है तो इससे आपकी छवि अधिक ख़राब होगी1 कई स्थानों पर आपके पास "ना" कहना आसान नहीं होता है 1 सबसे पहले तो हमें बहुत ही सभ्य तरीके से किसी कार्य के लिए मना करना चाहिए 1 साथ ही मना करने का उचित व तार्किक कारण भी बताया जाना जरुरी है1 आइये कुछ ऐसे तरीकों को जानते है जिससे आप इस परेशानी को थोड़ा कम कर सकते है-

दोस्तों के दबाव से बचे

अक्सर हम दोस्ती रिश्तेदारी, आत्मविश्वास की कमी या दुविधा के कारण दूसरों की बातें मान लेते हैं। जैसे ''पार्टी में दोस्तों के कहने पर मैंने भी एक पैग ले लिया। ऑफिस के लोग बाहर खाना खाने जा रहे थे, तो मैं भी चला गया, अब बजट गड़बड़ हो गया।" इन सब परिस्थितियों में दूसरों की बात मानी, अगर चाहते तो, शालीनता से मना भी कर सकते थे। ना कहने का मतलब है अपने खुद के लिए खडे होना। कुछ बातों में ना करके आप अनचाही परिस्थितियों में फंसने से बचते हैं, इससे आत्मविश्वास बढता है1

अपनी ऊर्जा को बचाए रखें

कई बार हम दूसरों को खुश करने की लिए उनकी बात के लिए हामी भर देते है और बाद में सोचते हैं कि ना कह देते तो ज्यादा अच्छा होता। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हम ना को नकारात्मक भाव से जोडते है। ऐसा करने से हम अपना समय खुद ही बर्बाद करते हैं। अपने समय,निजता और ऊर्जा को बचाने का आसान और सीधा तरीका है ना कहना। ना को किस जगह कैसे फिट करना है, यह आप पर निर्भर करता है। जैसे पढ़ाई करते समय फ़ोन चलाना, फेसबुक या व्हाट्सएप पर से ध्यान हटाना, भोजन को मन से खाने के लिए फोन को दूर रखना, वजन कम करना है, किसी की बातो में ना आकर अपने विवेक से कम लेना, अपना समय एवं रूचि को ध्यान में रखते हुए कार्य करना1

लघुकथा: मेरा नाम क्या है

वीरेंद्र बहादुर सिंह

इक्यान्नवे साल की उम्र में अचानक आई इस व्याधि से वह आकुल-व्याकुल हो उठे। तकलीफ विचित्र थी। सुबह उठने के साथ ही उन्हें अपना नाम ही नहीं याद आ रहा था। लगभग दो घंटे तक वह कमरे में इधर से उधर चक्कर लगाते रहे। मर चुकी पत्नी भी 'कहती हूं' कह कर ही बुलाती थी, इसलिए उसने भी कोई नाम दिया हो, याद नहीं आ रहा था।

स्वर्गस्थ पत्नी के फोटो के नीचे उसके नाम के पीछे उनका नाम था। परंतु पिछले साल फोटो के पीछे चले गए बरसात की पानी की वजह से उस जगह इस तरह के दाग पड़ गए थे कि नाम पढ़ने में ही नहीं आ रहा था। जबकि पढ़ने में भी आ रहा होता तो अनपढ़ आंखें पढ़ ही कहां पातीं। गांव के अपने घर में होते तो किसी से पूछ लेते। पर इस समय तो वह बेटे के घर शहर में थे। यहां तो ज्यादा लोग उन्हें पहचानते भी नहीं थे।

विदेश कमाने गए बेटे के उसकी कर्कश बहू थी। अगर उससे पूछ लेते तो वह इस तरह बात का बतंगड़ बनाएगी कि सोच कर ही उन्हें चक्कर आ गया। बेटे को विदेश फोन लगाया और जैसे ही पूछा कि मेरा नाम क्या है? वहां तो जब चाहे फोन लगा कर पूछने के बदले जो सुनने को मिला कि... पर नाम का पता नहीं चला। खूब सोच-विचार कर छोटे पोते को पास बुला कर पूछा, बाबू, तुम्हें मेरा नाम पता है?

उसने हां में सिर हिलाया। पर नाम बोलने के लिए चाकलेट की खातिर दस रुपए मांगे। दस की नोट पकड़ा कर अपना नाम पूछा तो जवाब मिला, दादाजी।

अरे यह नहीं, मेरा नाम बोलो।

हां, वही तो कह रहा हूं। आप का नाम दादाजी है। मैं तो यही तो कह कर बुलाता हूं। कह कर पोता भाग गया।

इसी चिंता में वह घर के बाहर निकले तो सामने मिठाई की दुकान वाले ने 'नमस्कार' किया। बड़ी उम्मीद के साथ वह दुकान पर पहुंचे और सकुचाते हुए पूछा, भाई, तुम्हें मेरा नाम मालूम है?

जवाब में दुकानदार ने जोर से हंस कर कहा, आप भी न, सालों से आप को चाचा कहता आ रहा हूं तो आप का नाम जान कर क्या करना है।

गांव से बचपन के दोस्त का फोन आया। फोन रिसीव होते ही उसने पूछा, पप्पू मजे में है न?

उन्हें खुशी हुई, लगा कि उनका नाम पप्पू है। कन्फर्म करने के लिए पूछा तो दोस्त ने कहा, उम्र की वजह से ठीक से याद नहीं। पर पप्पू तेरी कसम, नाम तो तेरा कोई दूसरा है, पर मैं तो बचपन से तुझे पप्पू ही कहता आ रहा हूं।

दोस्त की इस बात से वह और चिढ़ गए। मैं भी कैसा आदमी हूं कि अपना नाम भी याद नहीं है। इसकी अपेक्षा तो मर जाना ठीक है।

बड़ी मेहनत से वह छत पर गए। वह छलांग लगाने जा रहे थे कि उनके फोन की घंटी बजी। फोन उठाते ही दूसरी ओर से कहा गया, रामप्रसादजी, आप को लोन चाहिए? यह सुन कर रामप्रसाद मुसकरा उठे।

जेड-436ए, सेक्टर-12,
नोएडा-201301 (उ.प्र.)
मो- 8368681336

©सरस्वती धानेश्वरभ, भिलाई, छत्तीसगढ़

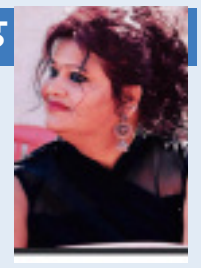

एहसास __

अलहदा है अकेले पन का सुकून,
अनोखा रहस्यमय आभास,
कई रक्तिम आभाओं को समेटे
बांधे रखता है खुद से खुद को !
कई भूली बिसरी यादें,
कुछ सिमटी सी परछाइयां,
थम सी जाती है जहन में,
दर्पण की मानिंद निहारतीं है खुद को,
दे जाती है कई सपने,
और आंखों में घूम जाती है एक सुनहरी सदी !
यादों के भंवर लेकर बदल जाते हैं मन के पलचिन्ह,
अनवरत कारवां गुज़र जाता है पहरों तक,
समय का ठहराव रुकता नही,न रूठना,
न मनाना बस अंतर्द्वंद्व का निश्छल बहते जाना !
जिज्ञासा मंद पड़ जाती है,
तृष्णा शनैः स्वतः शांत हो जाती है,
न पाना न खोना,न मिलना,न बिछड़ना,
जिंदगी का बस यूं ही चलते जाना !

डॉ. सत्यवान 'सौरभ'

हारा-थका किसान

बजते घुंघरू बैल के, मानो गाये गीत।
चप्पा-चप्पा खिल उठे, पा हलधर की प्रीत।।
देता पानी खेत को, जागे सारी रात।
चुनकर कांटे बांटता, फूलों की सौगात।।

आंधी खेल बिगाड़ती, मौसम दे अभिशाप।
मेहनत से न भागता, सर्दी हो या ताप।।
बदल गया मौसम अहो, हारा-थका किसान।
सूखे-सूखे खेत हैं, सूने बिन खलिहान।।

चूल्हा कैसे यूं जले, रही न कौड़ी पास।
रोते बच्चे देखकर, होता खूब उदास।।
ख़्वाबों में खिलते रहे, पीले सरसों खेत।
धरती बंजर हो गई, दिखे रेत ही रेत।।

दीपों की रंगीनियाँ, होली का अनुराग।
रोई आँखें देखकर, नहीं हमारे भाग।।
दुख-दर्दों से है भरा, हलधर का संसार।
सच्चे दिल से प्यार करे, ये माटी से प्यार।।

(सत्यवान 'सौरभ' के चर्चित दोहा संग्रह 'तितली है खामोश' से।)

नमिता गुप्ता मनसी, मेरठ

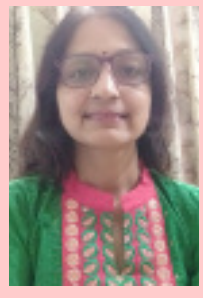

ये अधूरे प्रेम-पत्र..

हैरत की बात है न
जब भी लिखना चाहा
आसमां ने
एक प्रेम-पत्र
धरा के लिए,
कुछ लिख ही नही सका
बस, पिघल गया
बारिश बनकर,
शायद इसीलिए
धरा भी लिखती रही
सभी असंम्प्रेषित खतों के जवाब
हरी चुनर पहनकर
चुपचाप ही!!
सुनों..
इसी आपसी लिखावट में
खोजते चले आ रहे हैं
हम-तुम
अपना-अपना प्रेम
सदियों से अब तक!!
यूं भी
कितना सुखद होता है न
कभी-कभी
कुछ न लिख पाना
किसी के लिए,
और.. पढ़ा जाना
उसके द्वारा
सारा का सारा
वो अलिखा भी!!
तो हैं न कितने खूबसूरत
ये अधूरे प्रेम-पत्र
अपने संपूर्ण प्रेम के साथ!!

पेट दर्द से लेकर माइग्रेन के दर्द तक, ये हैं हींग के कमाल

भारतीय खानों में हींग का उपयोग खूब किया जाता है। इसका स्वाद ज़रा तेज़ ज़रूर होता है, लेकिन इसके फायदे अनगिनत हैं। खाने में इसे मिलाने से पाचन आसान होता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि हींग पाचन दुरुस्त करने के अलावा भी कई काम करता है। यह पेट में गैस से लेकर गंभीर माइग्रेन और यहां तक कि कीड़े के काटने का भी इलाज कर देता है।

बच्चों में गैस की समस्या का समाधान करता है

शिशुओं में गैस की समस्या को कम करने के लिए इससे अच्छा उपाय और कोई नहीं है। इस जांचे और परखे उपाय को सदियों से इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके लिए एक से दो चम्मच गुनगुने पानी में चुटकी भर हींग डालें और फिर बच्चे की नाभी के आसपास उंगलियों की मदद से लगाएं। इससे छोटे बच्चों में गैस की समस्या तुरंत ठीक हो जाती है।

सांस से जुड़ी तकलीफों के इलाज के लिए

हींग में एंटीवायरल और एंटीइंफेक्शन गुण होते हैं। इसलिए इसका उपयोग अस्थमा, ब्रॉन्काइटिस, सूखी खांसी और ज़ुकाम को ठीक करने के लिए किया जा सकता है। तुरंत आराम पाने के लिए आधा चमच हींग पाउडर और सोंठ में दो चम्मच शहद मिला लें। दो से तीन दिन तक इस मिक्सचर को खाएं, तो आपको सांस की तकलीफों से जल्द आराम मिल जाएगा।

दांत दर्द में तुरंत आराम

जिस दांत में दर्द है, वहां और आसपास के मसूड़ों पर चुटकी भर हींग लगा लें। दर्द में राहत पाने के लिए दिन में इस उपाय को 2 से 3 बार करें।

कान दर्द में फायदेमंद

सर्दी के मौसम में ठंड लग जाने से कान में दर्द कई बार हो जाता है। ऐसे में इयर ड्रोप्स के अलावा आप घरेलू उपचार पर कर सकते हैं। हींग में एंटीवायरल और एंटीइंफेक्शन गुण पाए जाते हैं, जो कान के दर्द में आराम देने का काम करते हैं। इसके लिए एक बर्तन में दो चम्मच नारियल के तेल में चुटकी भर हींग डालकर हल्की आंच पर गर्म कर लें। जब ये गुनगना हो तब इसकी कुछ बूंदें अपने कान में डालें। इससे आपको तुरंत राहत मिल सकती है।

सिर दर्द में आराम

सिर दर्द जब परेशान कर रहा हो, तो आप हींग आपकी मदद कर सकता है। इसके लिए

हल्की आंच पर पैन रखें और उसमें एक से दो कप पानी गर्म कर लें। अब इसमें चुटकी भर हींग डालें और 10-15 मिनट के लिए गर्म होने दें। जब पानी की मात्रा थोड़ी कम हो जाए, तो गैस को बंद कर दें।

तेज़ सिर दर्द से छुटकारा पाने के लिए दिनभर इस पानी को पिएं। इसके अलावा आप हींग में गुलाब जल मिलाकर इसका पेस्ट भी तैयार कर सकते हैं और फिर इसे माथे पर लगा सकते हैं। इससे भी आराम मिलता है।

कीड़े या सांप के काटने पर

हींग सिर्फ खाने में ही हेल्दी नहीं होती, बल्कि कीड़ों या फिर सांप के काटने का भी इलाज कर सकती है। दादी मां के निस्खों के अनुसार, हींग के पाउडर में थोड़ा पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को ज़खम पर लगा लें और सूखने दें। जब सूख जाए, तो निकाल दें।

चाय की लत आपको बना सकती है गंभीर बीमारी का शिकार

शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति हो जिसे चाय पीना पसंद न हो। चाय देश ही नहीं बल्कि विदेश में भी काफी पसंद किया जाने वाला पेय पदार्थ है। चाय की इसी लोकप्रियता के चलते दुनियाभर में कई प्रकार की चाय प्रचलित है। हमारा मूड रीफ्रेश करने के साथ ही चाय हमारी सेहत को कई तरह के फायदे भी पहुंचाती है। वहीं, सर्दियों के मौसम में तो लोग भारी मात्रा में इसका सेवन करना शुरू कर देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि चाय की लत कई बार आपके लिए हानिकारक भी साबित हो सकती है।

दरअसल, ज्यादा मात्रा में चाय पीने से आप हड्डियों की खतरनाक बीमारी का शिकार हो सकती है। स्केलेटल फ्लोरोसिस नामक यह बीमारी आपकी हड्डियों को अंदर ही अंदर खोखला बना सकती है। अगर आप भी चाय पीने के शौकीन हैं, तो आज जानेंगे इसके अधिक सेवन से होने वाली इस बीमारी के बारे में-

क़्या है स्केलेटल फ्लोरोसिस

स्केलेटल फ्लोरोसिस हड्डियों की बीमारी है, जो अंदर ही अंदर हमारी हड्डियों को खोखला कर देती है। इस बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को गठिया यानी अर्थराइटिस जैसा दर्द महसूस होता है। ये बीमारी खासतौर पर हड्डियों में दर्द पैदा करती है। इस बीमारी के होने पर कमर दर्द,हाथ-पैरों में दर्द और जोड़ों में दर्द की शिकायत होती है।

चाय से हो सकता है स्केलेटल फ्लोरोसिस

अगर आप खाली पेट चाय पीते हैं या दिन में लगातार चाय का सेवन कर रहे हैं, तो इससे स्केलेटल फ्लोरोसिस का खतरा काफी बढ़ जाता है। दरअसल, चाय में मौजूद फ्लोराइड मिनरल हड्डियों के लिए बेहद नुकसानदायक होता है। ऐसे में शरीर के अंदर फ्लोराइड की मात्रा बढ़ने पर हड्डियों में स्केलेटल फ्लोरोसिस होने की आशंका बढ़ जाती है। साथ ही चाय शरीर को कैल्शियम सोखने से भी रोकता है, जिसकी वजह से इस बीमारी का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

स्केलेटल फ्लोरोसिस के लक्षण

पेट भारी रहना
घुटनों के आसपास सूजन
झुकने या बैठने में परेशानी
दांतों में अत्यधिक पीलापन
कंधे, हाथ और पैर के जोड़ों में दर्द
कम उम्र में बुढ़ापे का लक्षण नजर आना
हाथ-पैर का आगे या पीछे की ओर मुड़ जाना
पांव का बाहर या अंदर की ओर धनुषाकार हो जाना

दिन में कितनी चाय पीना सुरक्षित

चाय के अधिक सेवन से सिर्फ स्केलेटल फ्लोरोसिस ही नहीं, बल्कि कई अन्य समस्याएं भी हो सकती हैं। खाली पेट या ज्यादा मात्रा में चाय पीने से अल्सर, हाइपर एसिडिटी, घबराहट, मलती जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं।

ऐसे में जरूरी है कि आप सीमित मात्रा में चाय का सेवन करें। दिन में तीन कप चाय का सेवन सेहत के लिए खतरनाक नहीं है। लेकिन अगर आप रोजाना तीन कप से ज्यादा चाय पी रहे हैं, तो यह आपके लिए घातक साबित हो सकता है।

थायराइड बढ़ने पर शरीर में हो सकती हैं ये 5 परेशानियां

गले में पाई जाने वाली थायराइड ग्रंथि सामान्य कार्य करना बंद कर देती है, तब थायराइड की समस्या आती है। थायराइड होने से शरीर में कई तरह के बदलाव होते हैं। थायराइड हार्मोन शरीर में डाइजेस्टिव जूस को बढ़ाने में मददगार है।

कई बार थायराइड होने पर ये बढ़ता रहता है। ऐसे में शरीर में कई तरह के बदलाव होते हैं। सही लाइफस्टाइल, संतुलित आहार और दवाइयों के सेवन से थायराइड को ठीक होने में मदद मिलती हैं। थायराइड बढ़ने पर ये 5 तरह की परेशानियां हो सकती हैं।

इनफर्टिलिटी

थायराइड की समस्या होने इनफर्टिलिटी की समस्या बढ़ सकती है। कई बार महिलाओं में थायराइड होने पर ओवरीज में सस्टि बन जाता है। जिसकी वजह से इनफर्टिलिटी की समस्या बढ़ सकती है। महिलाओं में अगर समय पर थायराइड का इलाज न किया जाएं, तो इनफर्टिलिटी की समस्या ज्यादा बढ़ सकती हैं।

स्किन डिसऑर्डर

शरीर में थायराइड की ग्रंथि बढ़ने पर स्किन डिसऑर्डर जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। कई बार थायराइड बढ़ने पर स्किन पर पिंपल्स की समस्या बढ़ सकती हैं। थायराइड रहने से स्किन पर रूखेपन की समस्या भी ज्यादा देखने को मिल सकती है।

अनियमित पीरियड्स

थायराइड बढ़ने पर कई बार अनियमित पीरियड्स की समस्या भी बढ़ सकती है। कई बार पीरियड्स का फ्लो ज्यादा या धीमा भी हो सकता हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए थायराइड को कंट्रोल करने की कोशिश करें। पीरियड्स की डेट आगे-पीछे भी हो सकती हैं।

वजन बढ़ना

थायराइड की समस्या बढ़ने पर वजन बढ़ने की परेशानी भी हो सकती हैं। ऐसे में सही मात्रा में डाइट और दवाइयों के सेवन से थायराइड को कंट्रोल किया जा सकता है। थायराइड का स्तर बढ़ने से भूख काफी बढ़ जाती है। जिससे वजन बढ़ता है।

कमजोरी लगना

थायराइड की परेशानी बढ़ने पर शरीर में कमजोरी हो सकती है। कई बार पैरों से सुन्न हो जाने की समस्या भी देखने को मिल सकती है। कई बार थायराइड बढ़ जाने पर शरीर में दर्द और ऐंठन का अनुभव भी हो सकता है।

थायराइड की समस्या होने पर ऊपर बताई गई परेशानियां हो सकती हैं। अगर आपको भी ये बीमारी हैं, तो डॉक्टर से पूछ कर ही दवाइयों का सेवन करें।

BNM Fantasy

Friday
22 December 2023

नेहा मलिक के लुक पर फिदा फैंस

नेहा मलिक ने हाल ही में अपनी लेटेस्ट तस्वीरों से इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया है. उनके फैंस उनकी तस्वीरें देख दीवाने हो रहे हैं. एक्ट्रेस का ऑल ब्लैक अवतार देखकर लोगों की नींदें उड़ गई हैं. कुछ ही घंटों में इस पोस्ट पर लाइक्स और कॉमेंट्स की बाढ़ आ गई है. चलिए आपको भी नेहा की इन तस्वीरों से रूबरू करवाते हैं. नेहा मलिक के लेटेस्ट लुक को देखकर ये कहना गलत नहीं होगा कि चांदनी आसमां से जमीं पर उतर आई है. सोशल मीडिया पर उनकी लेटेस्ट तस्वीरें कहर बरसा रही हैं. वहीं, फैंस भी उनके लुक पर फिदा हो रहे हैं. चलिए दिखाते हैं नेहा की लेटेस्ट पोस्ट जिसे देख आपकी नींद भी उड़ जाएगी.

करण जौहर ने किया फिल्मों के लिए इंस्पायर: अनन्या

अनन्या पांडे हिंदी सिनेमा की काफी टैलेंटेड एक्ट्रेसेस में से एक हैं. एक स्टारकिड होने के बावजूद वो अपनी फिल्मों की वजह से आज इंडस्ट्री का जाना माना चेहरा हैं. एक्टिंग के साथ साथ एक्ट्रेस अपने फैशन सेंस को लेकर भी सुर्खियां बटोरती हैं. इन दिनों वो आदित्य रॉय कपूर के साथ अफेयर की खबरों के लिए भी चर्चा में रहती हैं. हाल ही में अनन्या ने अपने एक्टिंग डेब्यू को लेकर खुलासा किया है. हाल ही में जेद्दा में रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के दौरान अनन्या को इंडिया को रीप्रेजेंट करने के लिए सम्मानित किया गया. इस दौरान उन्होंने डेडलाइन के साथ बातचीत की. उन्होंने अपने एक्टिंग करियर को लेकर भी कई बातें कीं. यही नहीं, उन्होंने बताया कि अगर वो एक्ट्रेस नहीं होतीं तो क्या कर रही होतीं.अनन्या पांडे ने बताया कि करण जौहर वो शख्स थे जिन्होंने उन्हें एक्टिंग करियर शुरू करने के लिए इंस्पायर किया था. इसके आगे एक्ट्रेस ने संजय लीला भंसाली के साथ फिल्म करने की ख्वाहिश के बारे में भी बताया. वहीं, जब अनन्या से पूछा गया कि वो कौन सी फिल्में थीं जिन्होंने उन्हें एक्टिंग शुरू करने के लिए मोटिवेट किया? आपको बता दें कि इस बीच उन्होंने ये भी बताया कि अगर वो एक्ट्रेस नहीं होती तो क्या होतीं. उनका कहना था कि अगर वो एक्टिंग की दुनिया में कदम नहीं रखती तो बायोलॉजी और अपने फैमिली मेडिकल बैकग्राउंड से इंस्पायर होकर मेडिकल के क्षेत्र में नाम काम करतीं.

रानी चटर्जी ने बताया सिंगल होने का फायदा

बोलीं- खुद से और प्यार हो गया

भोजपुरी फिल्मों की मशहूर अदाकारा रानी चटर्जी ने सोशल मीडिया पर तबाही मचा कर रखी है. वो आए दिन अपनी तस्वीरों से लोगों को इंप्रेस करती रहती हैं. कभी ट्रेडिशनल तो कभी ग्लैमरस आउटफिट में एक्ट्रेस अपने फैंस की निगाहें अपनी और खींच लेती हैं. हाल ही में उन्होंने अपने वर्कआउट सेशन की तस्वीरें शेयर की हैं. जो तेजी से वायरल हो रही हैं. भोजपुरी जगत की जानी मानी अदाकारा रानी चटर्जी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. उनके बारे में जितनी बातें की जाए कम हैं. रानी ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर कुछ फोटोज शेयर की हैं जो तेजी से वायरल हो रही हैं. रानी चटर्जी ने यह तस्वीर अपने ऑफिशल इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की हैं. इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि वो वर्कआउट करती नजर आ रही हैं. वर्कआउट सेशन के दौरान ली गईं इन तस्वीरों में रानी बेहद खूबसूरत लग रही हैं. इस पोस्ट के जरिए उन्होंने अपना नो मेकअप लुक भी फ्लॉन्ट किया है. वहीं, तस्वीरों के साथ रानी चटर्जी ने कैप्शन भी शेयर किया है. उन्होंने कैप्शन में लिखा है "यह खुद से और ज्यादा प्यार हो गया है. सिंगल होने का फायदा, खुद से प्यार बढ़ जाता है." अब रानी के फैंस इन तस्वीरों पर लगातार अपना प्यार लुटा रहे हैं. कुछ यूजर्स उन्हें ब्यूटी तो किसी ने सेल्फ लव को लेकर कमेंट किया है. रानी ने की ये तस्वीरें एक पार्क से शेयर की हैं, जहां वो अपने योगा मैट पर बैठकर वर्कआउट करती दिख रही हैं. इस दौरान उन्होंने ब्लैक रंग का आउटफिट कैरी किया है. इसके साथ ही रानी ने कैप भी लगाया है और व्हाइट शूज के साथ अपने लुक को कंप्लीट किया है. बता दें कि रानी चटर्जी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वो अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती हैं. फैंस उन्हें काफी सपोर्ट भी करते हैं. हाल ही में उन्होंने छठ पूजा की तस्वीरें शेयर की थीं. इसके पहले उन्होंने करवा चौथ भी मनाया था जिसकी फोटोज वायरल हुई थी.